



# भारत का राजगान्त्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 41] नई विल्लो, सोमवार, फरवरी 23, 1981/फाल्गुन 4, 1902

No. 41] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 23, 1981/PHALGUNA 4, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### वाणिज्य भवानप

सकलप

नई विल्ली, 23 फरवरी, 1981

सं. I—12011(8) 80-बाणान (क).—चाय विषयन संबंधी टम्हन समिति ने अन्य आतों के साथ-साथ चाय के लघु उपजकतानियों/उत्पादकों के संबंध में विचार किया और प्रपनी सिफारिशें दीं। समिति ने सिफारिश की कि चाय बोर्ड तथा चाय उद्योग, लघु उपजकतानियों के प्रातिनिधियों सहित, द्वारा लघु उपजकतानियों का एक विशेष अध्ययन किया जाना चाहिए। जिसे हर तीसरे अध्ययन पांचवे वर्ष अद्यतन किया जाना चाहिए। इस संबंध में, उत्तरी तथा दक्षिणी भारत में चाय संबंधों को पृथक सैल भी स्थापित करने चाहिए जो चाय बोर्ड के लघु उपजकतानियों संघ के साथ संपर्क रखेंगे। इस सिफारिश को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने निम्नलिखित विचारार्थी विद्यों के साथ एक विशेषज्ञ समिति का गठन करने का मिर्णय लिया है:

(क) लघु उपजकतानियों/उत्पादकों की समस्याओं का पता लगाने और उपचारात्मक उपायों का सुझाव देने के लिए उनका विशेष अध्ययन करना।

(ख) अधिक सहकारी कारबाने द्वारा दी जाने वाले अधिकारों की जम्मूरत का अध्ययन करना।

(ग) ऐसे भागीदारों का अध्ययन करना जिनसे अपेक्षाकृत बड़े चाय बाणान लघु उत्पादकों की मदद कर सकें।

(घ) यह अध्ययन करना कि कौन से चाय संबंधी सार्वजनिक क्षेत्रीय कम्पनियां लघु उत्पादकों की मदद कर सकती हैं।

(क) यह अध्ययन करना कि यह लघु उपजकतानियों द्वारा उत्पादित चाय की नीलामियों में सूचीकरण के मामले में कुछ प्रावधानिकता दी जा सकती है जिससे वे प्रपन्न। विकी वसूली कुछ जल्दी प्राप्त कर सकें।

(घ) किसी ग्रन्थ पहलू पर विचार करना जिसमें समिति की राय इस अध्ययन के व्यापक प्रयोगन के उपयुक्त होंगी।

2. समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे:—

(क) अध्यक्ष	उपाध्यक्ष चाय बोर्ड, कलकत्ता।
(ख) सदस्य	(i) अध्यक्ष, बाणान संघ परामर्शी समिति, कलकत्ता। (ii) प्रेसीडेंट, यूनाइटेड प्लास्टर्स एसोसियेशन आफ साउदर्न एशिया, कुनूर। (iii) एक प्रतिनिधि, कांगड़ा बैली स्माल टी ग्रोपर्स एसोसियेशन, पोर्ट आफिस बैंजनार्थ, कांगड़ा जिला, हिमाचल प्रदेश।
(iv)	एक प्रतिनिधि, नीलगिरी लघु चाय उपजकता संघ, कुनूर।
(v)	एक प्रतिनिधि, उत्तरी बंगाल लघु चाय उपजकता संघ, महानन्द पाड़ा सिलोगुड़ी जिला, दार्जिलिंग।

(vi) श्री एन० ही० साह  
प्रस्तारी चाय प्रस्टेट,  
जलपाईगुडी ।

3. समिति का मुख्य कार्यालय कलकत्ता में होगा परन्तु समिति अपनी बैठक देश में किसी अस्थ स्थान पर कर सकती है। समिति को अस्थ सबस्य सहयोगित करने का अधिकार होगा।

4. समिति अपना प्रतिवेदन मरकार को यातायीष्व्र प्रस्तुत करेंगी और हर हालत में इसकी नियुक्ति की तारीख से 3 महीने से अधिक समय नहीं लेंगी।

मादेश

प्रादेश दिया जाता है कि संकल्प को भारत के राजपत्र ग्रसांधारण में प्रकाशित किया जाए।

डी० डब्ल्य० सेलंग, संयुक्त संचिव

## **MINISTRY OF COMMERCE**

## RESOLUTION

New Delhi, the 23rd February, 1981

**No. I-12011(8)80-Plant(A).**—The Tandon Committee on Tea Marketing inter-alia considered and gave its recommendations in regard to small growers/producers of tea. The Committee recommended that a special study of the small growers should be made by the Tea Board and tea industry, together with the representatives of small growers, which should be updated every three or five years. In this context, the Tea Associations in the north and south India should also develop separate cells which will liaise with the small grower's cell of the Tea Board and the Small Growers Association. With a view to implement this recommendation the Government of India have decided to constitute a Committee of Experts with the following terms of reference :

- (a) To conduct a special study of small growers/producers to identify their problems and to suggest remedial measures.
- (b) To study the need for opening up more cooperative factories.
- (c) To study the ways and means by which the larger tea estates could help the small producers.

(d) To study as to how the public sector companies in tea could help the small producers.

(e) To study whether some priority may be given in the matter of cataloguing at auctions of teas produced by small growers which will enable them to realise their sale proceeds a little earlier.

(f) Any other aspect which in the committee's opinion is germane to the broad purpose of this study.

2. The Committee shall consist of the following members :—

(a) Chairman . . . . Deputy Chairman, Tea Board, Calcutta.

(b) Members . . . .

- (i) Chairman, Consultative Committee of Plantations Association, Calcutta.
- (ii) President, United Planters' Association of Southern India, Coonoor.
- (iii) A Representative of Kangra Valley Small Tea Grower's Association, Post Office Baijnath, Kangra Dt., Himachal Pradesh.
- (iv) Representative of Nilgiri Small Tea Growers Association Coonoor.
- (v) A representative of North Bengal Small Tea Growers Association, Mahanand Para Siliguri Dt., Darjeeling.
- (vi) Shri N.D. Saha, Ambari Tea Estate, Jalpaiguri.

(c) Member-Secretary Director, Tea Development, Tea Board, Calcutta.

3. The Committee's Headquarters will be at Calcutta but the Committee may meet at any other place in the country. The Committee shall have power to co-opt other members.

4. The Committee shall submit its reports to the Government as early as possible and in any case not later than 3 months from the date of its appointment.

## ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India Extraordinary.

D.W. TELANG, Jt. Secy.